



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधानमंत्री से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255]
No. 255]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 15, 1990/वैशाख 25, 1912
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 15, 1990/VAISAKHA 25, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृति भंगालय

(कृति और संस्कृति विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 15 मई, 1990

का. घा. 382 (ग्र) :—भारत सरकार ने एक विशेषकाय समिति यह प्रन्देशण करने की इटि से
स्थापित की थी कि या भारत में कृतिपय कीटनाशी के निरंतर उपयोग से मानव या जीवजातियों के
निए ऐसी जोखिम भ्रष्टबद्धित होगी, जिससे उसके निए तुरंत कार्रवाई करना संरीचित या आवश्यक हो गया
है;

और लेट्टीय सरकार का उचल विषेषज्ञता नियम को रिस्टारिशन पर विचार करने के पश्चात और कीटनाशी प्रबंधनियम, 1968 (1968 का 46) के अधीन स्थापित रजिस्टर करणे भवित्व से परामर्श दाने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि एंड्रिन, डाइल्ड्रिन और एथिलेन डाइब्रोमाइड के उपयोग से मात्र, जीवजंतुओं और पर्यावरण के लिए स्वास्थ्य परिसंकेत श्रेष्ठतमि होने की संभावना है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कीटनाशी प्रबंधनियम, 1968 (1968 का 46) की धारा 20 के साथ पठित धारा 27 को उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शर्तें का प्रयोग करने पुरुष निम्नसिद्धि पारित करती है: —

(1) एंड्रिन को बाबत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द किया जाता है;

(2) डाइल्ड्रिन के उपयोग को भारत सरकार के बनकरत संरक्षण सलहकार द्वारा महसूल क्षेत्र में टिक्की नियंत्रण के लिए निर्वाचित किया जाएगा;

(3) एथिलेन डाइब्रोमाइड (ई. डी. डी.) के उपयोग को केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, सरकारी उपकरों, सरकारी संगठनों, जैसे भारतीय खाद्य नियम, केन्द्रीय भौजागार नियम, राज्य खाद्यगार नियम और नाशकारी नियंत्रण मंडियाओं के माध्यम से जिनकी विशेषताएँ भारत सरकार के बनकरत संरक्षण सलहकार द्वारा और अर्हित उपयोगताओं द्वारा, जिन्हे मारत सरकार के बाध विभाग द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, अनुमोदित की गई है, खाद्यान्नों के लिए धूमत के रूप में मिवंशित किया जाएगा।

[सं. 17-95/89-पी. फी. 1]

ए. के. बिहारी, अवार तथा

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th May, 1990

S.O. 382(B).—Whereas the Government of India had set up an Expert Committee with a view to investigate as to whether the continued use of certain insecticides in India will involve such risk to human beings or animals as to render it expedient or necessary to take immediate action;

And whereas the Central Government after considering the recommendation of the said Expert Committee and after consultation with the Registration Committee, set up under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), is satisfied that the use of Endrin, Dieldrin, and Ethylene Dibromide is likely to involve health hazards to human beings, animals and environment;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2) of Section 27 read with Section 28 of the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), the Central Government hereby passes the following orders :—

- (1) the Certificate of Registration in respect of Endrin shall stand cancelled;
- (2) the use of Dieldrin shall be restricted for Locust Control in desert areas by Plant Protection Adviser to the Government of India;
- (3) the use of Ethylene Dibromide (EDB) shall be restricted as a Fumigant for Foodgrains through Central Government, State Government, Government Undertakings, Government Organisations, such as Food Corporation of India, Central Warehousing Corporation, State Warehousing Corporations, and Pest Control Operations whose expertise has been approved by the Plant Protection Adviser to the Government of India, and by qualified users having been trained by the Department of Food, Government of India.

[No. 17-95/89 PPI]

A. K. MISRA, Under Secy.

